Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

आयोग ने दिये मुख्य शिक्षा अधिकारी को जांच के आदेश

आदेश

■ अन्य दोषियों के विरुद्ध भी कार्यवाई की जाए

उत्तराखंड मे स्थित सभी स्कूलों के हॉस्टलों की निष्पक्ष करें जांच

संवाददाता

देहरादून। नैशनल एसोसिएशन फॉर पैरेंट्स एंड स्टूडेंट्स राइट्स की शिकायत का बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने संज्ञान लेते हुए मुख्य शिक्षा अधिकारी को सभी बोर्डिंग स्कूलों की भारत के प्रारूप 46 के अनुसार जांच करने के आदेश दिये है।

एक बयान में नैशनल एसोसिएशन फॉर पैरेंट्स एंड स्टूडेंट्स राइट्स के राष्ट्रीय अध्यक्ष आरिफ खान ने बताया कि बीते रोज एसोसिएशन ने राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग को शिकायती पत्र लिख कर अवगत कराया था कि सहस्रधारा रोड़ स्थित शालिनी ब्रेवली हिल स्कूल के होस्टल मे नोयडा निवासी नौ वर्षीय छात्र के साथ हॉस्टल वार्डन ने न सिर्फ शारीरिक प्रताड़ना दी गयी बल्कि उसके सामने अश्लीलता और अभद्रता की सारी हदें पार की गई हालांकि इस प्रकरण मे थाना रायपुर

प्रारूप 46 के अनुसार जांच के आदेश

संज्ञान लेते हुए राज्य बाल आयोग द्वारा मुख्य शिक्षा अधिकारी को सभी बोर्डिंग स्कूलों की जांच भारत के प्रारूप–46 के अंतर्गत करते हुए 15 दिन के अंदर बाल आयोग को जांच आख्या देने के लिए पत्र लिखा गया है। उन्होंने कहा कि आयोग ने मुख्य शिक्षा अधिकारी को राज्य में स्थित सभी बोर्डिंग स्कूलों की भारत के प्रारूप 46 के अनुसार जांच करने के आदेश दिये है। उन्होंने कहा कि यह एसोसिएशन की जीत है और अब इस प्रकार के प्रकरणों पर तत्काल कार्यवाही होगी।

द्वारा अपराधी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है किंतु इस प्रकरण मे स्कूल प्रशासन भी उतना ही दोषी है जितना की अपराधी है और इस पत्र का संज्ञान लेते हुए इस प्रकरण मे निष्पक्ष जांच कर अन्य दोषियों के विरुद्ध भी कार्यवाई की जाए।

एसोसिएशन के अध्यक्ष आरिफ खान के अनुसार इस से पूर्व भी एसोसिएशन द्वारा बाल आयोग को अवगत कराया गया था की देहरादून के एक निजी स्कूल दून इम्पीरियल रेजीडेंसी के हॉस्टल मे रह रहे बच्चे के साथ दुष्कर्म का मामला प्रकाश मे आया है जिसमे स्कूल प्रबंधकों, प्रिंसिपल और संचालको द्वारा शिकायत के बावजूद मामले को दबाया गया पीड़ित बच्चे को धमकाया गया और आरोपी को भागने मे मदद भी की गई है।

उन्होंने कहा कि इससे पूर्व भी कई नामी गिरामी स्कूलों द्वारा इस प्रकार के मामलों को अपनी साख बचाने के लिए न सिर्फ दबाया और छुपाया गया बल्कि पीड़ितों को डराया धमकाया गया जबकि एक मामले मे तो उसे मार कर दफना भी दिया था यदि उसमें तुरन्त और निष्पक्ष कर्रवाई न की जाती तो पीड़ित बच्चे के परिवार को न्याय मिलना मुश्किल ही नही नामुमकिन होता। उन्होंने कहा कि पूर्व में कई अन्य मामलों व सभी प्रकरणों को स्कूलों मे चल रहे अवैध व नियम विरुद्ध हॉस्टल मे ही अंजाम दिया गया है जिसका ताजा उदाहरण है जो प्रकाश मे आयी घटना है।

एसोसिएशन के माध्यम से अनुरोध के साथ मांग की गई है कि उत्तराखंड मे स्थित सभी स्कूलों के हॉस्टलों की निष्पक्ष जांच करें यदि जांच मे कोई भी हॉस्टल मानक पूरे न करते हुए पाया जाता है तो उसके खिलाफ मौके पर ही तुरन्त दंडात्मक करीवाई की जाए ताकि अन्य स्कूल मे चल रहे हॉस्टलों के संचालक भी निर्विल्म अपने हॉस्टलों मे बच्चों की सुरक्षा के मानकों को पूरा करें और साथ ही एसोसिएशन यह भी मांग करती है कि इस प्रकरण मे दोषी स्कूल संचालकों और इसमे शामिल सभी दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दिलवाने की संतुति करते हुए हॉस्टल को निर्विलम्ब बन्द किया जाए ताकि अन्य स्कूलों के लिए नजीर साबित हो।

न्यूज डायरी

10 जून को किसान सभा का प्रतिरोध दिवस

संवाददाता देहरादून। अखिल भारतीय किसान सभा के आह्वान पर 10 जून को किसान सभा की सभी इकाइयां केन्द्रीय मन्त्री मण्डल द्वारा कृषि उपज वाणिज्य एवं व्यापार सेवा समझौता 2020 का अध्यादेश जारी कर राज्य सरकारों के अधिकारों पर अतिक्रमण कर किसानों के जन जीवन पर कुठाराघात किया है। यहां जारी एक बयान में किसान सभा के राज्य अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह सजवाण ने कहा कि उत्तराखण्ड की सभी इकाइयां 10 जून को इस प्रतिरोध दिवस अभियान मे हिस्सा लेगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के इस निर्णय का पुरजोर तरीके से विरोध किया जायेगा और इस अध्यादेश को तत्काल प्रभाव से वापस लिये जाने की गई है और कहा कि जरूरत पडी तो इसके लिए आंदोलन भी किया जायेगा।

नकली कीटनाशक में मुकदमा दर्ज करने से कतरा रहा विभाग

संवाददाता रुड़की। किसानों को नकली कीटनाशक बेचने वालों पर मुकदमा दर्ज करने से गन्ना विभाग कतरा रहा है। अभी तक गन्ना विभाग ने इस संबंध में तहरीर तक नहीं दी है। वहीं, निलंबित दोनों गन्ना पर्यवेक्षकों को ऊधमसिंह नगर स्थित सहायक गन्ना आयुक्त कार्यालय अटैच कर दिया है।
पिछले दिनों इकबालपुर गन्ना विकास परिषद के दोनों गन्ना पर्यवेक्षकों अनिल कुमार राठी व इदरीश कुमार ने कोटा मुरादनगर समेत कई गांव में किसानों को नकली कीटनाशक बेच दिया। मामला संज्ञान में आने के बाद इकबालपुर के ज्येष्ठ गन्ना विकास निरीक्षक दिग्विजय सिंह के नेतृत्व में जांच की गई। जांच रिपोर्ट के बाद संयुक्त गन्ना व चीनी आयुक्त चंद्र सिंह इमलाल ने दोनों को निलंबित कर दिया।

आंदोलनकारियों ने जलाई बिल की प्रतियां

संवाददाता रुद्रपुर। गैरसैंण को सिर्फ ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाए जाने का विरोध राज्य आंदोलनकारी कर रहे हैं। राज्य आंदोलनकारियों ने राज्यपाल के इस बिल की प्रतियां जला गैरसैंण को स्थायी राजधानी बनाने की मांग की है। राज्य आंदोलन के समय से ही आंदोलनकारी गैरसैंण को स्थाई राजधानी घोषित करने की मांग कर रहे हैं। ऐसे में गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाए जाने के विरोध में आंदोलनकारियों ने मंगलवार को आवास–विकास क्षेत्र में प्रदर्शन किया। उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलनकारियों की मांग को सरकार गंभीरता से नहीं ले रही है। इसके लिए हर बार सिर्फ बहानेबाजी की जा रही है। जबकि राज्य के उचित विकास के लिए गैरसैंण में स्थाई राजधानी बनाना जरूरी है। प्रदर्शनकारियों ने राज्यपाल से हस्ताक्षरित ग्रीष्मकालीन राजधानी के बिल की प्रतियां आग के हवाले कर दी।

परीक्षा फॉर्म की तिथि बढ़ाये जाने को प्राचार्य को ज्ञापन

संवाददाता देहरादून। द आर्यन छात्र संगठन ने डीएवी महाविद्यालय के छात्र छात्राओं के लिए परीक्षा फॉर्म की तिथि बढ़ाने की मांग को लेकर प्राचार्य को ज्ञापन सौंपकर इस मामले में शीघ्र ही कार्यवाही करने का आग्रह किया गया है। संगठन के शशांक सती द्वारा महाविद्यालय में काफी सारे छात्र–छात्राएं दुर्गम क्षेत्र से आते हैं जहां पर नेटवर्क संबंधित काफी समस्याएं हैं जिस कारण वह ऑनलाइन कार्य करने में पूर्ण रूप से सक्षम नहीं है और इसीलिए प्राचार्य से परीक्षा फार्म की तिथि बढ़ाने के लिए ऑनलाइन ज्ञापन दिया गया। इस अवसर पर शशांक सती ने कहा कि कोरोना वायरस कोविड 19 के कारण देश में लॉकडाउन के चलते महाविद्यालय के छात्र छात्रायें अपने घरों को प्रस्थान कर चुके है जिनमें की अधिकतर संख्या दुर्गम क्षेत्र के छात्र छात्राओं की है।

बाजारों में शारीरिक दूरी हो रही तार–तार

देहरादून। शहर के प्रमुख बाजार में खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ ऐसे उमड़ रही है जैसे कोरोना किस चिड़िया का नाम है पता ही नहीं। इस आपाधापी में लोगों को न तो शारीरिक दूरी के नियम का ख्याल रहता है और न कोरोना संक्रमण के प्रति वह चिंता ही दिखाई दी, जिसके चलते प्रशासन ने दून में सप्ताह में एक के बजाय दो दिन बाजार बंद रखने का फैसला लिया।
पुलिस के साथ हुई बैठक में व्यापारियों ने भी बाजार में ग्राहकों से अनिवार्य रूप से शारीरिक दूरी के नियम का पालन कराने की बात कही थी। लेकिन, भीड़ के बीच दुकानदार भी बेपरवाह दिखे। कई जगह तो वाहनों की आपाधापी और पैदल लोगों की भीड़ के कारण पैर रखने को भी मुश्किल से जगह मिल पा रही थी।

दो सप्ताह से लगाये पिंजरे में नहीं फंसा तेंदुआ, आतंक जारी

संवाददाता

रोपाई के सीजन में खासकर बच्चों व महिलाओं को सता रहा तेंदुए का डर

पुरोला। रामा व कमल सिरांई क्षेत्र में इन दिनों कोरोना वैश्विक महामंत्री के साथ ही ग्रामीणों को तेंदुए का डर सता रहा है। धान रोपाई व सीजन होने के बाद भी लोग आधा अधुरा काम छोड़कर सांय होते ही लोग खेतों से घर आ जाते है।

हालांकि दो सप्ताह पूर्व तक तेंदुए का रामा,बेस्टी, पंथाल गांव,रोन,रेवडी क्षेत्र में भारी आंतक रहा तथा तेंदुए ने बेस्टी व रामा गांव में 6 लोगों को घायल किया जबकि वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने को पंथालगांव व बेस्टी जंगल में गस्त बढ़ाने के साथ 3 जगह पिंजरे भी लगाये किंतु उस दिन से तेंदुआ क्षेत्र में किसी को नजर नहीं आया जबकि दो दिन पूर्व रविवार सांय को एक बार फिर तेंदुए बेस्टी–रामा गांव से 16 किमी दूर चंदेली गांव के पास जंगल में जनक सिंह पंवार के बैल को मार दिया जबकि रामा सिराईं व कमल सिराईं क्षेत्र के गुंदियाटगांव,रोन,बेस्टी,रेवडी,पंथाल व चंदेली,सौन्दाड़ी,स्यालुका आदि दर्जनों गांवों में पिछले माह से गुलदार की दहशत बना हुआ है।

जनक सिंह पंवार ने कहा कि रोपाई का सीजन है। दो सप्ताह में रोपाई शुरू होने वाली है,ऐसे समय पर अब बैल कहां से लाये जाएंगे यह बड़ी समस्या है।

वहीं ग्रामीणों ने बताया कि रोपाई के सीजन में महिला,बच्चे सांय देर तक खेतों काम में लगे रहते हैं किंतु अब अपनी जान के साथ पशुओं को लेकर भी दहशत का माहौल बना हुआ है।

वंही टौंस वन प्रभाग के डीएफओ सुबोध काला का कहना है कि रामा,पंथाल गांव,बेस्टी क्षेत्र में दो सप्ताह पूर्व तेंदुए के द्वारा 6 ग्रामीणों को घायल करनें के बाद से निरतंर कर्मियों की गस्त जारी है। तीन जगह पिंजरा भी लगाया गया है। रविवार को भी चंदेली में भी तेंदुए द्वारा बैल को मारे जाने की सूचना है।

जांच की जा रही है ग्रामीणों से सावधानी बरतने की अपील की गई है।

चिन्हित आंदोलनकारियों ने फूंकी अधिसूचना की प्रतिलिपियां

संवाददाता देहरादून। गैरसैण भराड़ीसैंण को जन आकांक्षाओं के विरुद्ध ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाए जाने को लेकर राज्यपाल द्वारा जारी अधिसूचना की प्रतिलिपियो को फूंकने का उत्तराखंड राज्य निर्माण आंदोलनकारियों द्वारा सिलसिला शुरू हो गया है और चिन्हित राज्य आंदोलनकारी समिति के केंद्रीय मुख्य संरक्षक धीरेंद्र प्रताप के आव्हान पर राज्य भर में आज गैरसैंण को स्थायी राजधानी घोषित किए जाने की मांग को लेकर राज्य आंदोलनकारियों ने राज्यपाल के उस आदेश की प्रतियों को जलाने का अभियान शुरू कर दिया। जिस पर कल राज्यपाल बेबी मौर्य ने हस्ताक्षर किए थे वह जिसमें गैरसैंण को भराडीसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाने का राज्य सरकार ने एलान कर दिया है।

गढ़वाल मंडल मुख्यालय पौड़ी में पूर्व राज्य मंत्री वह चिन्हित राज्य आंदोलनकारी समिति की केंद्रीय कार्यकारी अध्यक्ष सरिता नेगी के नेतृत्व में राज्य आंदोलनकारियों ने इस काले आदेश की प्रतियों को जला दिया।